

免教造物生精靈。」郭靖見了此詩，想起十餘年前蒙古大漠中種種情形，撫着石碑呆呆不語，後來想起丘處機相見在即，心中又自欣喜，楊過道：「郭伯伯，這碑上說些甚麼？」郭伯伯，你告訴我一件事。」郭靖道：「甚麼事？」楊過說道：「我爸爸是丘祖師當年得意的弟子，丘祖師瞧在你面上，必能好好待你，你用心學藝，將來必有大成。」楊過道：「郭伯伯，你告訴我一件事。」郭靖道：「甚麼事？」楊過道：「是誰害死他的？」郭靖臉上變色，想起嘉興鐵槍廟之事，身子微微顫了一顫，楊過道：「是誰害死他的？」郭靖



神雕俠侶

金庸著

(二十八)

第八回

全真門人

自己適才在碑上這一擊，定是教這二人瞧在眼裏了。

那兩個道士對望了一眼，立即走

人

瞧

在

眼

裏

了

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。

。